सत्यमेव जयते

डा. मंगला राय
सचिव एवं महानिदेशक
DR. MANGALA RAI
SECRETARY & DIRECTOR-GENERAL

भारत सरकार
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्
कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली 110 001

GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION
AND
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
MINISTRY OF AGRICULTURE, KRISHI BHAVAN, NEW DELHI 110 001
TEL. : 23382629; FAX : 91-11-23387293; E-MAIL : mrai.icar@nic.in

अपील

हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परिवार के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को हार्दिक बधाई।

राजभाषा के रूप में हिन्दी को अपनाए 58 वर्ष हो गए हैं। 14 सितम्बर, 1949 को भारतीय संघ की राजभाषा बनने के बाद से हिन्दी का प्रयोग क्रमिक रूप से बढ़ा है किन्तु राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में संयुक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा मनाते हुए हमें हिन्दी के प्रयोग संबंधी संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने के लिए ऐसे ठोस कदम उठाने होंगे ताकि हिन्दी के प्रयोग में गुणात्मक व संख्यात्मक वृद्धि के साथ-साथ कम्प्यूटर का भी प्रयोग सुनिश्चित किया जाए।

राजभाषा विभाग के दिशा निर्देश के अनुसार इस वर्ष 14 सितम्बर, 2007 को भारत सरकार के अधिकारी व कर्मचारी अपने आपको इस संकल्प के प्रति समर्पित करें कि वे भारत के संविधान में संघ की राजभाषा के संदर्भ में किए गए प्रावधानों के प्रति निष्ठावान रहेंगे, स्वयं सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग करेंगे तथा कार्यालय में हर संभव तरीके से उसके प्रयोग को बढ़ावा देंगे। अनुवाद का सहारा कम से कम लेंगे। राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए तैयार किए गए वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों की सही अर्थों में प्राप्ति के लिए पूरी निष्ठा के साथ प्रयत्नशील होंगे।

भारतवर्ष एक कृषि प्रधान देश है और इसकी लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि या कृषि आधारित लघु उद्योगों पर निर्भर है। आज अन्न उत्पादन में कमी आना, जलवायु में बदलाव, मृदा-गुणवत्ता में ह्रास तथा नवयुवकों के शहर की तरफ पलायन को देखते हुए हमें फसलों के साथ-साथ पशुपालन, रेशम पालन, मौन पालन, उद्यानिकी, कृषि वानिकी, बकरी एवं भेड़ पालन, मुर्गी, सूअर पालन तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा देते

.....2/-

हुए किसानों तथा आम जनता को नई--नई तकनीकों की जानकारी उनकी भाषा में पहुंचाने के लिए हमें उनकी प्रांतीय भाषाओं तथा हिन्दी माध्यम से प्रशिक्षित करना होगा ताकि वे कृषि उत्पादन में विविधता लाने के साथ--साथ व्यापारीकरण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकें। परिषद में हिन्दी का प्रयोग पहले की अपेक्षा काफी बढ़ा है और हम इस दिशा में कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा कृषि विस्तार के प्रचार--प्रसार में हिन्दी को अपनाते हुए निरन्तर प्रयत्नशील हैं। परिषद के विशाल सूचना नेटवर्क में भी हिन्दी का प्रयोग हो रहा है। लगभग 18 संस्थान अपनी गृह पत्रिकाओं के साथ अपने विषयों से संबंधित पुस्तक एवं पत्रिकाएं, बुलेटिन, तदर्थ प्रकाशन, पम्फलेट, प्रसार--प्रपत्र, प्रशिक्षण एवं प्रसार साहित्य, शोध उपलब्धियां आदि हिन्दी में प्रकाशित कर रहे हैं जिनकी कुल संख्या 250 से भी अधिक है।

आइए, हिन्दी दिवस के अवसर पर हम सब यह प्रण करें कि राजभाषा हिन्दी के प्रति हम अपने संवैधानिक उत्तरदायित्व को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हम अपने दैनिक सरकारी कामकाज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे। हिन्दी मात्र समारोहों एवं आयोजनों की भाषा बनकर ही न रहे, अपितु उसे प्रयोग का ठोस धरातल प्राप्त हो अर्थात् राजभाषा हिन्दी को व्यावहारिक रूप से अपनाया जाए। इसके लिए हमें यह दृढ़ संकल्प करना होगा कि परिषद तथा इसके सभी संस्थानों में हिन्दी में और अधिक कार्य हो। यह कार्य केवल हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा/माह तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष किया जाना चाहिए। इसकी शुरूआत परिषद मुख्यालय में आयोजित होने वाले हिन्दी पखवाड़ा तथा परिषद के संस्थानों/केन्द्रों में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले हिन्दी चेतना मास, पखवाड़े, सप्ताह के कार्यक्रमों के माध्यम से करते हुए राजभाषा के विकास में एक और कदम आगे बढ़ायें।

मैं परिषद मुख्यालय में हिन्दी पखवाड़ा की सफलता की कामना करता हूं।

(मंगला राय)